अक्षय तृतीया महोत्सव कोटिन कोटि बधाई

अक्षय तृतीया महोत्सव कोटिन कोटि बधाई

सभी को कोटिन कोटि बधाई, शुक्ल पक्ष वैसाख मास की, अक्षय तृतीया (है) आई ।।

अक्षय तृतीया से हुई थी, त्रेता युग शरुआत।
भगवन परशुराम जयन्ती, का यह दिन है खास ।।
अति उत्तम अति पावन उत्सव, अति उत्तम फलदाई-सभी को.

अक्षय तृतीया का महोत्सव, वृंदावन में भारी।
चरण दरस श्रीबांके बिहारी, साल में हो इकबारी ।।
सर्वांग लगे लेप चंदन का, बरसे शीतलताई - सभी को.

सर्वसिद्धि यह स्वंय महूर्त, शुभ दिन मंगलकारी।
विष्णु-लक्ष्मीं पूजन हो, हो मन भावन खरीदारी ।।
'मधुप हरि'हरि भजन करो, रहो हरि चरणन लिव लाई-सभी

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34779/title/akshay-tritiya-mahotsav-kotin-kaoti-badhai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |